

भारत सरकार  
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 1802  
10.03.2025 को उत्तर के लिए

**एक्सडीजी 2045 मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन**

**1802. श्रीमती अपराजिता सारंगी:**

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) 'एक्सडीजी 2045' मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान रेखांकित की गई प्रमुख पर्यावरण नीतियों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) सरकार द्वारा 'एक्सडीजी 2045' के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अपने जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों को संरेखित करने के लिए प्रस्तावित योजना का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या देश में जलवायु लचीलापन संबंधी प्रयासों को बढ़ाने के लिए शिखर सम्मेलन में कोई नई साझेदारी या समझौते पर हस्ताक्षर किए गए और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) सरकार द्वारा देश में जमीनी स्तर पर शिखर सम्मेलन में चर्चा की गई रणनीतियों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित उपाय क्या हैं?

**उत्तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री  
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)**

(क) से (घ) संयुक्त अरब अमीरात सरकार ने दिनांक 11-13 फरवरी, 2025 को दुबई में 'शेपिंग फ्यूचर गवर्नमेंट्स' विषय के अंतर्गत वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट 2025 का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और भविष्य की चुनौतियों के लिए अभिनव समाधानों की पहचान करना तथा विचारों का आदान-प्रदान करना था। सतत विकास के लिए वर्ष 2030 के एजेंडा के परिणाम के आधार पर तथा वर्ष 2030 के बाद के दूरदर्शी मॉडल को विकसित करने के लिए, दिनांक 11 फरवरी, 2025 को शिखर सम्मेलन के दौरान एक कार्यक्रम के रूप में "एक्सडीजी-2045 मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन" का आयोजन किया गया। भारत ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सरकार द्वारा अपनाई जा रही कई प्रमुख पर्यावरण नीतियों और पहलों पर प्रकाश डाला। भारत ने सौर ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, इलेक्ट्रिक वाहनों और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में महत्वपूर्ण निवेश के साथ अक्षय ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर बल दिया। लाइफ (पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली) पहल पर भी प्रकाश डाला गया, जो प्रकृति के साथ मानव विकास को सुसंगत बनाने के लिए व्यक्तिगत, सामुदायिक और राष्ट्रीय स्तर पर स्थिरता को अपनाने वाली ग्रह अनुकूल टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त,

भारत ने वनरोपण, संधारणीय कृषि और हरित अवसंरचना सहित हरित विकास कार्यनीतियों के महत्व पर बल दिया, ताकि विकास को पर्यावरण संरक्षण के साथ संरेखित करना सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन और उपशमन को सहायता देने के लिए विकसित देशों से वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का भी समर्थन किया है। भारत ने इस बात पर बल दिया कि वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को एक्सडीजी 2045 के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाना चाहिए ताकि समान वैश्विक साझेदारी, न्याय के सिद्धांतों, समावेशिता और साझा प्रगति को बढ़ावा दिया जा सके।

\*\*\*\*\*